DR. SHAMBHU KUMAR RAM
Deptt. of History
B.A. Part — I
Paper — II (Hons)
Shambhu.bhibu@gmail.Com
8294391291

क्रॉमवेल के संवैधानिक प्रयोग : — VII

क्रॉमवेल ने तो राजा का पद स्वीकार तो नहीं किया लेकिन वह एक राजा के भाँति ही बना रहा। उसने शीघ्र ही सभा बुलाने कि आज्ञा दे दी। प्रस्ताव की सभी शर्तें स्वीकार कर ली गई। पार्लियामेंट की स्थापना हो गयी। 1658 ई० मे पार्लियामेंट की दुसरी बैठक हुई। सभा में क्रॉमवेल के सहायकों का स्थान खाली होने पर उस पर Republications पहुँच जाते थे जो क्रॉमवेल के विरोधी थे, जिससे कॉमनस सभा में Republications की भरमार हो गयी। अंत मे क्रॉमवेल ने चिढ़कर कॉमन सभा को ही बंद कर दिया।

इसके बाद उसने अपना उत्तराधिकारी अपने प्यारे पुत्र रिचर्ड क्रॉमवेल को चुना। दिन पर दिन क्रॉमवेल का स्वास्थ्य गिरता चला गया। उसे बुखार ने धर दबाया और बुखार कभी कम नहीं हुई। इसी बीच उसकी सबसे प्यारी पुत्री Lady Claypole की अचानक मृत्यु 16 Aug. 1658 में हो गयी। वह इस आघात को सह नहीं सका। पार्लियामेंट के भंग करने के बाद ही Sep. 1658 ई० में क्रॉमवेल की भी मृत्यु हो गयी। He would have gladly submitted to restrians of a contitution if only his right to act a king were fully acknowledge.